विदर्भ स्वाभिमान

www.vidarbhswabhiman.com

संपादक - सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे

9423426199/8855019189

❖ अमरावती, 18 से 24 दिसंबर 2025 ❖वर्ष :16 ❖अंक- 31 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य-4/-पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2025-2027❖डाक : शुक्रवार-शनिवार MAHHIN/2010/ 43881

बाबूजी के आदर्श विचार

जीवन की खुशियां

संस्कारित महिलाओं से ही घर स्वर्ग और कुसंस्कारियों से घर नरक बनता है. मां और सास में भेद नहीं करने वाली लक्ष्मी जिस घर में आती है, वह घर स्वर्ग बन जाता है. लेकिन इसमें भेद करने तथा स्वयं को बड़ा बताने वाली बहू घर के लिए नरक से कम नहीं होती है. दुर्भाग्य की आज बड़ा बनने के चक्कर में संस्कारों का पतन ही अधिकांश परिवारों के दुःख का कारण बन गया है. चिंतन करें.

व्यंकटेशधाम में बैंकुठ एकादशी 30 को,तैयारियां हुई तेज

अमरावती-व्यंकटेशधाम में 30 दिसंबर को बैकुंठ एकादशी भव्य पैमाने पर मनाई जाएगी. जयस्तंभ चौक के करीब स्थिति मंदिर में सुबह 6 से 2 बजे तक तथा शाम 4 से 10 बजे रात्रि तक भक्त बैकुंठ द्वार से गुजरने के साथ ही भगवान बालाजी के दर्शन का पुण्यलाभ प्राप्त कर सकेंगे.सुबह 6 बजे पालखी बैकुंठ द्वार से निकलकर खत्री कम्पाउंड, जयस्तंभ चौक, बेस्ट सिनेमा मार्ग से होकर वापस मंदिर में आएगी.भक्तों से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

ब्रह्मास्त्र से नागरिक संवारें महानगर

स्थानीय सरकार के चुनाव में नागरिकों की परीक्षा, विकास के लिए करें सही मतदान

विदर्भ स्वाभिमान
सुभाषचंद्र जे. दुबे
त्वरित टिप्पणी
9423426199

अमरावती शहर केवल शहर नहीं बल्कि संत-महात्माओं , जाने-माने समाजसेवियों , आजादी की लड़ाई में जान की बाजी लगाकर अंग्रेजों को भगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वाधीनता सेनानियों के साथ ही सर्वधर्म समभाव का जतन करने वाली नगरी है. संभागीय मुख्यालय के नाते इसे जो-जो बातें प्राप्त होनी चाहिए थी, वह अभी तक नहीं प्राप्त हुई हैं, इससे भी कोई इंकार नहीं कर सकता है. विदर्भ के दो सबसे बड़े महानगरों में नागपुर के बाद अमरावती का नंबर लगता है. लेकिन अगर विकास के मामले में दोनों ही महानगरों की तुलना की जाए तो निश्चित ही दोनों शहरों में जमीन आसमान का अंतर है. कहते हैं कि सक्षम नेतृत्व विकास के साथ ही शहर को आसमानी बुलंदी पर ले जाते हैं. लेकिन इसके लिए लोगों की परीक्षा चुनाव के दौरान होती है. कौन अच्छा, कौन बुरा की बजाय जब नेतृत्व केवल शहर के विकास और उसे हर मामले में आगे बढ़ाने की नीति पर काम करता है तो निश्चित तौर पर शहर विकसित होता है, कानून और सुव्यवस्था बेहतरीन रहने के बाद शहर का विकास तेजी से होता है. लेकिन इसके उल्टा होने के बाद इसके दुष्परिणाम भी लोगों क़ो ही भुगतना पड़ता है. आज अमरावती में तमाम संभावनाएं रहने के बाद भी विकास तथा औद्योगिक विकास में हम क्या कर सकें हैं, पूर्व राष्ट्रपति के प्रयासों से जो औद्योगिक इकाई मिली थी, बीडीएल का काम किसी को पता नहीं है. जमीन के भूखे नेताओं द्वारा शहर की शान मॉडल रेलवे स्टेशन को भी हजम करने का प्रयास लोग देख रहे हैं, कांग्रेस विरोध कर रही है और बाकी भी आज नहीं तो कल लोगों का झुकाव देखकर कर सकते हैं, वर्ना राजनीति में लाभ के लिए चोर-चोर... वाली कहावत तो सभी जानते हैं. खैर महानगर पालिका चुनाव की घोषणा हो चुकी है. ऐसे में 45 महीने के प्रशासक राज के बाद महानगर पालिका पर जनप्रतिनिधि आने वाले हैं. स्थानीय सरकार की आर्थिक स्थिति किसी से छिपी नहीं है. ऐसे में शहर के विकास का विजन रखने वाले लोगों को ही मौका मिले और अमरावती शहर मतदान के मामले में देश में नया रिकार्ड बनाते हुए समूचे देश में अपना नाम रोशन करे, विदर्भ स्वाभिमान की यही अपेक्षा है. मतदान का अधिकार किसी ब्रह्मास्त्र से कम नहीं है. सही उपयोग शहर को तारेगा और गलत उपयोग हमें ही त्रस्त करेगा और रोने के लिए विवश करेगा. **शेष पेज 2 पर**

आरोग्यदूत आदिवासी गरीबों के जीवन में लाएगी निश्चित उजाला

अमरावती-मेलघाट के दुर्गम और आदिवासी अंचलों में वर्षों से महसूस की जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी को दूर करने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा बेहतरीन पहल स्वास्थ्य को लेकर की गई है, इसकी सर्वत्र सराहना की जा रही है. डॉ. हेडगेवार जन्मशताब्दी सेवा समिति, अकोला के माध्यम से चलता-फिरता दवाखाना आरोग्य दूत अब मेलघाट के धारणी, चिखलदरा और चूर्णी क्षेत्रों में अपनी सेवाएं प्रदान करेगा। इस सेवा का लोकार्पण 16 दिसंबर को किया गया. इससे आदिवासियों को स्वास्थ्य संबंधी सेवाएं उनके घर तक आरोग्यदूत के माध्यम से मिलें गी.सुविधायुक्त एम्बुलेंस के माध्यम से मरीजों की जांच, उपचार एवं प्राथमिक चिकित्सा की जाएगी. खास बात यह है कि धारणी क्षेत्र के सभी डॉक्टरों ने इस सेवा में स्वेच्छा से सहयोग देने की इच्छा जताई है, जिससे ग्रामीण और दूरस्थ इलाकों के नागरिकों को बेहतर और समय पर इलाज मिलेगा.अनुभवी डॉक्टरों की टीम उपलब्ध है.वहीं आपातकालीन सेवाएं भी दी जाएंगी, ताकि गंभीर मरीजों को तुरंत सहायता मिल सके. यह सेवा विशेष रूप से गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों, बच्चों और आपातकालीन मरीजों के लिए लाभकारी साबित हो रही है.आरोग्य दूत मेलघाट जैसे कठिन भौगोलिक क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नया भरोसा और राहत लेकर आयी है.सभी से लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

विदर्भ स्वाभिमान

संपादकीय

अमरावती जिला कब होगा विकास में नागपुर से आधा

अमरावती संभागीय मुख्यालय होने का गर्व सभी शहरवासियों को होना चाहिए, इसमें किंचित संदेह नहीं है. लेकिन इसके साथ ही जिस तरह से नागपुर की तुलना में यहां का आधा विकास भी नहीं हो पा रहा है, उससे बड़ा दुख भी नहीं हो सकता है. शहर आज अनगिनत समस्याओं से जहां जूझ रहा है, वहीं दूसरी ओर स्थिति यह है कि जिला औद्योगिक विकास में पिछड़ गया है. बेलोरा हवाई अड्डा शुरू हो गया है, यहां से अमरावती-मुंबई उड़ान को व्यापक प्रतिसाद है लेकिन पिछले कुछ दिनों,महीनों से जिस तरह से कंपनी का खेल चल रहा है और कभी शुरू, कभी अपनी मर्जी से हवाई सेवा बंद कर रही है, उसके चलते सवाल पैदा होता है कि आखिर अमरावती में नेतृत्व है या नहीं है, इस पर चिंता नहीं बल्कि चिंतन करने की नौबत आ गई है.इसे सौभाग्य कहें या दुर्भाग्य कहें, विकास के मामले में नेताओं का अहंकार जहां सामने आ रहा है, वहीं दूसरी ओर अपार संभावना के बाद भी बेलोरा हवाई अड्डे से जिस तरह से हवाई सेवा को खेल बना कर रखा गया है,वह निश्चित ही हैरत करने वाला तथा नेतृत्व की नाकामी का सबूत है. यहां से शुरू होने वाले हर नई रेलवे गाड़ी तथा नई विमान सेवा यात्रियों से परिपूर्ण ही नहीं तो फूल रहने के बाद भी अगर यह नहीं चल पा रही है तो निश्चित तौर पर दुर्भाग्य की बात है. अमरावती का औद्योगिक विकास जहां पूरी तरह से पिछड़ गया है, वहीं दूसरी ओर अमरावती एयरपोर्ट से संचालित होने वाली अमरावती मुंबई फ्लाइट को सुबह की विजिबिलिटी का हवाला देकर दो सप्ताह तक पूरी तरह रद्द रखने के बाद अब बुधवार, 17 दिसंबर से दोबारा शुरू तो किया जा रहा है, लेकिन यात्रियों को इससे राहत कम और असुविधा अधिक मिलती नजर आ रही है. हवाई सेवा में आने वाले व्यवधान को लेकर हैरत की बात है. आखिर इस तरह की नौबत क्यों बार-बार आ रही है, इस बारे में सभी नेताओं को आत्मचिंतन करना चाहिए. नागपुर के नेता लड़कर समस्या हल करवाते हैं लेकिन अमरावती के नेता अपने अहंकार के कारण विकास की बजाय आपसी जूतमपैजार पर ही सदा तैयार रहते हैं. 26 अक्टूबर के शेड्यूल के अनुसार जहां यह सेवा सप्ताह में चार दिन और सुबह के अनुकूल समय में संचालित हो रही थी, वहीं अब इसे सिर्फ सप्ताह में दो दिन तक सीमित कर दिया गया है. इतना ही नहीं, यात्रियों के लिए सबसे सुविधाजनक सुबह का स्लॉट भी समाप्त कर उड़ान को दोपहर में शिफ्ट कर दिया गया है.नई व्यवस्था के तहत अलायन्स एयर की फ्लाइट मुंबई से दोपहर 12.30 बजे रवाना होकर दोपहर 2 बजे अमरावती एयरपोर्ट पहुंचेगी. वहीं अमरावती से विमान दोपहर 2.30 बजे टेकऑफ कर शाम 4 बजे मुंबई पहुंचेगा. इस तरह विजिबिलिटी के नाम पर न केवल यात्रियों का सबसे अनुकूल सुबह का समय छीना गया, बल्कि उड़ान के दिन भी आधे कर दिए गए.अमरावती हवाई अड्डे से जिस तरह से नए शहरों के लिए उड़ान की अपेक्षा थी लेकिन यहां नेताओं की कम ताकत के कारण जो शुरू हवाई सेवा है, वह भी सही ढंग से नहीं चल पा रही है. जिले के विकासार्थ नेताओं को अपनी ताकत दिखाने का प्रयास करना चाहिए.

ओला साहब,बड़ी उम्मीदें हैं आपसे

विदर्भ स्वाभिमान
www.vidrabhswabhiman.com 9423426199

नए पुलिस कमिश्नर से शहर में अमन के लिए उम्मीद यही है कि वे तेजी से निर्णय लें, आधुनिक व समन्वित पुलिसिंग बढ़ाएँ, संगठित अपराध और सामयिक चुनौतियों से लड़ें, समुदाय के साथ विश्वास बढ़ाएँ, भीड़-प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता दें, और पुलिस बल को सक्षम और सुरक्षित रखें. इन पहलुओं पर पारदर्शिता और समुदाय की भागीदारी से वास्तव में शांति और विश्वास का माहौल बनता है.

अमरावती शहर के नए पुलिस आयुक्त और पहली ही बैठक में अपनी डैशिंग कार्यप्रणाली का संकेत पत्रकारों को देने वाले राकेश ओला से शहरवासियों को बड़ी उम्मीदें हैं और विदर्भ स्वाभिमान को जनहित में यकीन है कि जिस तरह से पुलिस आयुक्त ने मुंबई जैसे महानगर में काम किया है, ऐसे में अमरावती शहर में शांति और व्यवस्था बरकरार रखने तथा पूर्व पुलिस आयुक्त अमितेश कुमार या अन्य कुछ आईपीएस अधिकारियों को लेकर शहरवासियों में अपार सम्मान है, ड्यूटी में कोई भी शतप्रतिशत नहीं दे सकता है लेकिन इतना तय है कि मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन जैसे अधिकारी अकेले ही वह सब कुछ करने की ताकत रखते हैं, संविधान ने हर आईएएस,आईपीएस सहित अन्य अखिल भारतीय स्तर की परीक्षाओं में अपार मेहनत,समपर्ण के साथ कामयाबी प्राप्त करने वाले अधिकारी संविधान के दायरे में रहकर बड़े-बड़े नेताओं को नाकों चने चबवाने की ताकत रखते हैं.

अमरावती शहरवासी पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से कानून और व्यवस्था का मखौल उड़ता देख रहे हैं, उससे परेशान हैं. पिछले कुछ वर्षों से

अपराधियों के हौसले जिस तरह से बुलंद हैं, नाबालिग हत्या के प्रयास के साथ जिस तेजी से हत्याएं कर रहे हैं, हत्याओं की घटना से लेकर महिलाओं का सड़क पर सुरक्षित चलना मुश्किल हो गया है और इस मामले में नेतृत्व उदासीन है, उसके चलते शहरवासियों को नए पुलिस आयुक्त से बड़ी उम्मीदे हैं.वैसे भी आईपीएस अधिकारियों को असीमित अधिकार होते हैं और वे अगर सचमुच इन अधिकारों का उपयोग किया जाए तो निश्चित तौर पर कानून में बड़े-बड़े को पानी पिलाने की ताकत रखते हैं.अमरावती में कमिश्नर प्रणाली में पुलिस अधिकारियों को कई आपराधिक और सुरक्षा संबंधी उपाय लेने के अधिक अधिकार मिलते हैं जैसे रोकथाम संबंधी गिरफ्तारी, धारा 144 लगाने जैसे कदम, और अन्य प्रशासनिक शक्तियाँ जो पारंपरिक डीएम-एसएसपी मॉडल में अलग अधिकारियों के पास होते थे. इससे तेज निर्णय लेने और समन्वित कार्रवाई की उम्मीद होती है. शहर में बढ़ते अपराध, भीड़-प्रबंधन या विशेष घटनाओं को देखते हुए तेज, समन्वित, और आधुनिक तकनीक पर आधारित प्रतिक्रिया जरूरी होती है; इस सिस्टम का लक्ष्य भी इसी तरह की चुनौतियों से निपटना बताया जाता है. अमरावती में नाबालिगों की गैंग,जेबकतरे, एमडी ड्रग्स, चोरी, हप्ता वसूली सहित अन्य बुराईयां तेजी से बढ़ रही हैं. शहर में भय, असुरक्षा और जीवन-यापन की कठिनाई बढ़ाती हैं. कमिश्नर से अपेक्षा है कि ये अपराध रोधी रणनीतियाँ निरंतर, पारदर्शी और प्रभावी हों, और नियमित रिपोर्टिंग तथा समुदाय को जागरूक करने वाले कार्यक्रम हों.शहरी क्षेत्रों में डिजिटल अपराध बढ़ते हैं; इससे निपटने के लिए विशेष इकाइयाँ, प्रशिक्षण और नागरिकों के लिए सूचना-अभिगम/शिकायत सिस्टम की मजबूती जरूरी है.लोगों को लगे कि पुलिस उनकी बात सुनती है, शिकायतों पर त्वरित जवाब देती है, और निवारण के लिए जनता-आधारित उपाय सुझाती है. इससे भय कम होता है, स्थानीय जानकारियाँ बढ़ती हैं, और लोग फ्रंटलाइन पुलिस से सहयोग करते हैं.नागरिकों को जानकारी हो कि शिकायत दर्ज करना आसान है, उसका समाधान समय पर होगा, और कोई भी गलत व्यवहार गंभीरता से लिया जाएगा. ऐसे सिस्टम से जनता का भरोसा बढ़ता है और सामाजिक तनाव कम होता है.पुलिस आयुक्त ने जिस तरह से नागरिकों में विश्वास और अपराधियों में खौफ पैदा करने का संकेत दिया है, वह निश्चित ही न केवल सराहनीय है.विदर्भ स्वाभिमान को उम्मीद है कि वे जनता की उम्मीदों पर खरा उतरेंगे.

चुनाव की परीक्षा में अमरावतीवासी पास होने चाहिए

पेज 1 से जारी- अमरावती शहर तथा जिले में विकास की अपार संभावना है. लेकिन यह कहने में किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं है कि इसका उतना विकास नहीं हो पाया है, जितने का यह महानगर हकदार है. पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभाताई पाटील तक विकास की जो गति थी, अमरावती शहर में पहला उड़ान पुल आज लोगों को समझ में आ रहा है, जबकि उस समय कईयों द्वारा विरोध किया गया है. आगामी समय में जिस तरह से शहर की आबादी बढ़ रही है, वाहन बढ़ रहे हैं और रेलवे पुल बंद होने के बाद रोज जिस तरह से यातायात जाम की समस्या से शहरवासी त्रस्त हो रहे हैं, अस्तव्यस्त यातायात न जाने हर महीने कितनी जिंदगियों को निगल रहा है, पार्किंग की समस्या के साथ ही औद्योगिक विकास किस तरह हो रहा है, यह किसी से छिपा नहीं है. इसके लिए कोई एक जिम्मेदार नहीं है लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि शहर तथा जिले के विकासार्थ जिस तरह का संयुक्त प्रयास सभी दलों द्वारा किया जाना चाहिए नहीं हो पा रहा है. हवाई सेवा कंपनी के मुताबिक चल रहा है, कभी शुरू, कभी बंद, कारण विजिबिलिटी बताई जाती है. जबकि शहर से जितनी भी ट्रेन शुरू हुई है, वह चाहे अमरावती-तिरूपति, अमरावती-पुणे अथवा जितनी भी ट्रेनें यहां से दौड़ रही हैं, सभी में यात्री फुल्ल हैं, ऐसे में शहर से और शहरों के लिए गाड़ियां शुरू करने का प्रयास क्यों नहीं किया जा रहा है, यह कोई बताने की स्थिति में नहीं है.

अमरावती शहर में जहां गरीबों को प्रधानमंत्री घरकुल आवास योजना के तहत 250 फुट जमीन मिलना मुश्किल है, वहीं सरकारी जमीनों को जिस तरह दबाने का तेजी से कोशिशें चल रही है, उससे तो गरीबों को कभी जमीन मिलेगी, ऐसा नहीं लगता है. खैर लोग भी इसके लिए जिम्मेदार हैं, आज भी अमरावती राजनीति में निःस्वार्थ के लिए सुदाम काका देशमुख जैसे आदर्श उदाहरण हमारे सामने हैं.

महानगर पालिका स्थानीय सरकार होती है. ऐसे में नागरिकों की परीक्षा इसलिए है कि अगर अच्छे लोगों को मौका देंगे, जिनमें विकास का विजन हो, जो शहर के लिए कुछ करने का माद्दा रखते हैं, ऐसे लोगों के माध्यम से हम जहां महानगर का भाग्य संवरेगा, वहीं कम से कम शहर के विकास के साथ ही शांति व्यवस्था और औद्योगिक विकास के साथ ही उच्च शिक्षितों को मुंबई की तर्ज पर रोजगार के मौके आएंगे. परीक्षा में सफलता की शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbhäswabhiman@gmail.com.www.vidrabhswabhiman.com,rni. no MAHHIN/2010 43881

अच्छा,सच्चा सोचो,सदा अच्छा होगा,सार्थक बनें : नितिन वानखडे

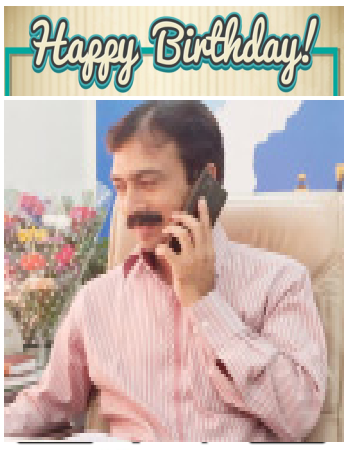

विदर्भ स्वाभिमान, 17 दिसंबर

अमरावती- ज़ीवन में सकारात्मक सोच का अत्याधिक महत्व होता है. इसके साथ ही जो जिम्मेदारी सौं पी गई है, उसे अपने स्तर से बेहतरीन निभाने का प्रयास करने वाला व्यक्ति जीवन में कभी पीछे नहीं आ सकता है. जो लोग सभी के बारे में अच्छा सोचते हैं, ऐसे लोगों का कभी बुरा नहीं होता है. अपने अच्छे काम पर हमारा विश्वास होना चाहिए. विश्वासपूर्वक किया गया कोई भी काम कभी विफल नहीं हो सकता है. इस आशय का मत जिजाऊ बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिन वानखडे ने किया. उनके मुताबिक सहकारिता में विकास का मंत्र रहता है, वह घर,परिवार से लेकर सर्वत्र कामयाबी दिलाती है.

उनके मुताबिक रिश्तों में ईमानदारी और विश्वास को बरकरार रखने का प्रयास करने से मजबूती ही मिलती है. मानवता की सेवा से बड़ी दूसरी सेवा नहीं हो सकती है. विदर्भ ही नहीं तो राज्यस्तर पर सहकारिता क्षेत्र की विश्वसनीय जिजाऊ कर्माशिर्यल कोआपरटिव बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नितिन वानखेडे ने की. उनके मुताबिक जीवन में जब भी नेक काम में सहभागी होने का मौका मिले तो निश्चित तौ पर प्रयास करना चाहिए. मानव जीवन बड़े भाग्य से मिला है, ऐसे में जितना संभव हो, अपने से कमजोर व्यक्ति तथा तबकों की सेवा करने का प्रयास करना चाहिए. नितिन वानखडे ने 16 दिसंबर को अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में विदर्भ स्वाभिमान से बातचीत करते हुए कहा कि हमें जो भी जिम्मेदारी मिली है, उसे बेहतरीन तरीके से निभाने का प्रयास करना चाहिए. बाकी सब ऊपरवाले

साक्षात्कार

पर छोड़ देना चाहिए. जिस तरह बबूल का बीज डालने पर आम नहीं हो सकता है, उसी तरह अगर हमारा काम अच्छा है और ईमानदारी से किया गया है तो निश्चित ही सफलता मिलेगी. बैंक के संस्थापक अविनाश कोठाळे तथा संचालकों के कुशल मार्गदर्शन में जिजाऊ बैंक ज़नहित में समर्पित बैंक है. सभी के साथसे ही विकास की बात स्वीकार करते हुए उन्होंने बताया कि जीवन में उन्हें लोगों का अपार प्यार तथा विश्वास उन्हें मिला है. जन्मदिन पर शुभकामनाएं देने वाले हजारों चहेतों के प्रति कृतज्ञता जताते हुए लोगों के इसी प्रेम को अपनी सबसे बड़ी कमाई बताई. मिलनसार स्वभाव के साथ ही सकारात्मक सोच रखने वाले नितिन वानखडे के मुताबिक सभी अपनी जिम्मेदारी जब अच्छे तरीके से निभाते हैं तो संस्था की प्रगति होती है. इन्सानियत सबसे बड़ा धर्म मानते हुए जितना संभव हो, अच्छा करने का प्रयास करने की बात उन्होंने बातचीत के दौरान कही.

चांदी ने रचा इतिहास, दो लाख के पार

नई दिल्ली- चांदी ने एक बार फिर इतिहास रच दिया. ग्क्र पर पहली बार इसकी कीमत 1.88 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के पार चली गई. घरेलू वायदा बाजार पर मंगलवार यानी 9 दिसंबर रात 9 से 10 बजे के आसपास चांदी की कीमतों में जोरदार उछाल दिखा और देखते ही देखते चांदी ऑल टाइम हाई पर चली गई. चांदी ने एक झटके में सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए. मार्च 2026 एक्सपायरी वाली चांदी का लास्ट ट्रेडिंग प्राइस 1,88,300 प्रति किलोग्राम दर्ज हुआ, जो पिछले क्लोज से 6558 यानी 3.61 फीसदी की तेज बढ़त है. कारोबार के दौरान चांदी 1,88,500 रुपए के हाई लेवल तक पहुंच गई. पिछले दिन चांदी 1,81,742 रुपए पर क्लोज हुई थी.इधर, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में चांदी 4,500 रुपए लुढ़ककर 1,80,500 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई. ऑल इंडिया सर्राफा एसोसिएशन के मुताबिक, यह गिरावट निवेशकों के सतर्क रुख और फेड की बैठक से जुड़ी अनिश्चितता का सीधा असर है. बाजार जानकारों का कहना है कि फेडरल रिजर्व की पॉलिसी से पहले ट्रेडर्स किसी बड़े ट्रेंड पर दांव लगाने से बच रहे थे. अंतरराष्ट्रीय बाजार में बॉन्ड यील्ड बढ़ने और डॉलर में संभावित उतार-चढ़ाव ने भी सोने पर दबाव बढ़ाया है.चांदी के दाम बढ़ते ही किसने बेची 100 टन चांदी? एक्सपर्ट बोले- 2026 में ?2.40 लाख के पार होगी कीमत विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक बाजार में चांदी की बढ़ती मांग, डॉलर की कमजोरी और ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद से यह रैली और तेज हो रही है. इंडस्ट्रियल डिमांड भी लगातार बढ़ रही है, जिससे कीमतों को सपोर्ट मिल रहा है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज में कमोडिटी रिसर्च हेड नवीन दमाणी के मताबिक, सिल्वर की तेजी लंबी चलेगी, क्योंकि वैश्विक सप्लाई डेफिसिट लगातार बढ़ रहा है.उनका अनुमान है कि चांदी 2026 की पहली तिमाही में 2 लाख और अगले साल के अंत तक 2.4 लाख प्रति किलोग्राम तक जा सकती है. डॉलर कीमतों में भी चांदी 75 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की संभावना जताई गई है.चांदी की कीमतों को बढ़ाने वाला सबसे बड़ा कारक यह है कि वैश्विक मांग 2020 से लगातार सप्लाई से ज्यादा है. वॉशिंगटन स्थित सिल्वर इंस्टीट्यूट के अनुसार, चांदी का ज्यादातर उत्पादन सोना, लेड या जिंक खनन के दौरान बायप्रोडक्ट के रूप में होता है. यानी जब तक इन धातुओं का उत्पादन नहीं बढ़ेगा, चांदी की सप्लाई सीमित ही रहेगी.चांदी की कीमत ने दो लाख पार होकर रिकार्ड हो गया है. सफेद सोनाभी 8775 तक पहुंच गया.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 / 43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे   प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

विदर्भ स्वाभिमान

आवश्यक नम्बरों की सूची

सीएम शिकायत पोर्टल	181
विद्युत सेवा	1912
पशु सेवा	1962
पुलिस सेवा	112,100
अग्नि सेवा	101
एमबुलैंस सेवा	102
यातायात पुलिस	103
आपदा प्रबंधन	108
चाइल्ड लाइन	1098
रेलवे पूछताछ	139
भ्रष्टाचार विरोधी	1031
रेल दुर्घटना	1072
सड़क दुर्घटना	1073
सी एम सहायता लाइन	1076
क्राइम सटायर	1090
महिला सहायता लाइन	1091
पृथ्वी भूकम्प	1092
बाल शोषण सहायता	1098
किसान काल सेन्टर	1551
नागरिक काल सेन्टर	155300
ब्लड बैंक	9480044444
साइबर अपराध	1930

मां सीता के पदचिन्हों ने दिखाया रमादेवी क़ा अंश

विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की भक्तिमय सेवा

विश्वास वाले भक्तों को हर पल होता है तिरूपति में अनुभव

कहते हैं कि श्रद्धा से विश्वास और विश्वास से असंभव भी संभव हो जाता है. कलयुग के देवता भगवान व्यंकटेश्वर बालाजी के करोड़ों भक्त विश्वभर में फैले हैं. पिछले 25 साल से उनकी भक्ति से क्या-क्या अनुभव किया है, इसको ध्यान में रखते हुए अनाथों के नाथ, निराधारों के आधार तिरूपति निवासा भगवान व्यंकटेश्वर की कथा यहां प्रस्तुत कर रहे हैं. हर गुरूवार को विदर्भ स्वाभिमान तथा आनंद परिवार की यह भक्तिमय सेवा प्रभु चरणों में अर्पित है. निर्मल मन से प्रभु गोविंदा की भक्ति करने पर इसका अनुभव आप भी कर सकते हैं.तिरूमल तिरूपति देवस्थानम तिरूपति द्वारा प्रकाशित मातृश्री तरिगोंड वेंगमांबा की श्री वेंकटाचल की महिला से साभार लिया जा रहा है.जय गोविंदा,जय गोविंदा, जय गोविंदा.डिजिटल संस्करण

www.vidarbhswabhiman.com/9423426199

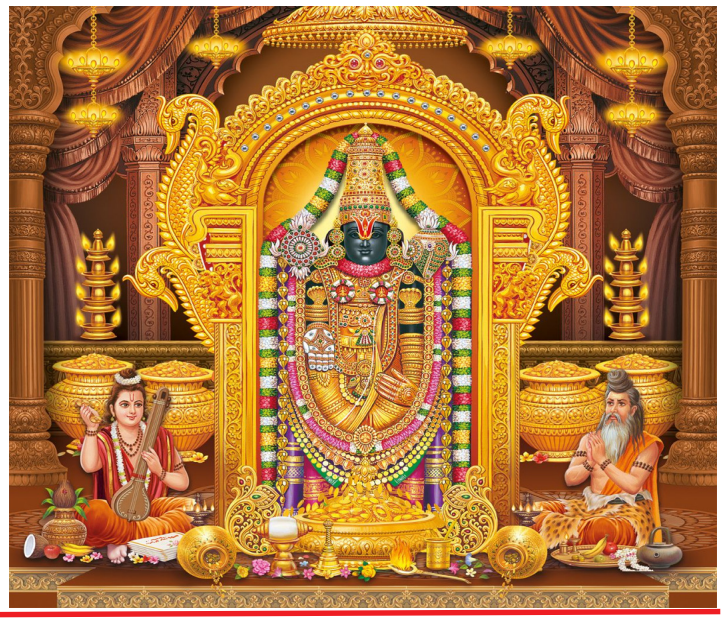

गतांक से जारी- करना क्या उचित है? सीता के चिह्नों को देखने से लग रमादेवी का अंश है. ऐसी सति को हरि अंश रखनेवाले ही ओ हरि समान पति ही सीता के लिए चाहिए. ऐसा पति इस धरती म है? अगर हरि के पूर्णाश से इस धरती पर कोई पैदा हुआ है तो ताना लोकों में प्रचलित, मेरे मंदिर में रखे हुए शिव धनुष को तोड़ना चाहिए. तब उसे मैं हरि मानूँगा. ऐसी परीक्षा लेने के बाद ही मैं सीता का विवाह करना चाहूँगा. शंकर की चाप को अद्‌भुत ढंग से तोडनेवाले को ही मैं सीता के साथ विवाह कराऊँगा. हे महानुभाव! ऐसा कोई इस धरती पर पैदा हुआ है क्या?' जनक की इन बातों को सुनकर शतानंद ने इस रूप में कहा. 'हे महिपाल ! सुनो! भूमिजा के लिए योग्य पुरुष श्रेष्ठ पैदा हुआ है. आप चिंता मत कीजिए. आपकी चार पुत्रियों के लिए अनुकूल और योग्य चार पुत्र इस धरती पर एक राजा को हैं. वे निश्चित रूप से आपकी कन्याओं से मोद से विवाह करने के लिए बैंकटाचल की महिमाओं का श्रवण कीजिए. उस कथा के श्रवण से आपकी सारी इच्छाओं की पूर्ति हो जायेगी. हे भूप! ब्रह्मादि सारे दिक्पाल सभी वेंकटाद्रि की महिमा को सुनकर अपने कार्यों में सफल हुए हैं. इसलिए अचंचल दीक्षा से भक्तिपूर्वक वेंकटाद्रि प्रभाव-कथा को सुननेवालों की पाप, रोग, दारिद्र्यादि दुःखों का नष्ट होकर सकल शुभ प्राप्त होंगे. वह पर्वत कृत युग में वृषभाद्रि के रूप में, त्रेतायुग में अंजनाचल के रूप में प्रसिद्ध हुआ है. द्वापर युग में शेषशैल के रूप में प्रचलित होगा. कलियुग में वेंकटगिरी के रूप में प्रसिद्ध होगा.' मुनि की इन बातों को सुनकर जनक ने पूछा. 'उस शैल को ये सारे नाम कैसे बने हैं?' इस रूप में नृपाल के पूछने पर शतानंद ने इस रूप में जवाब दिया.कृत युग में वृषभासुर नामक एक दैत्य उस पहाड़ पर बस कर वहाँ रहनेवाले मुनियों को हिंसा पहुँचा रहा था. उनकी बाधाओं के बारे में वराह स्वामी को बताने के लिए सबने उनके पास जाकर नमस्कार करके इस रूप में कहा. हे परमात्मा ! इस शैल पर वृषभासुर नामक एक राक्षस पापात्मा बनकर हमें सता रहा है. आप शीघ्र ही उसका संहार कीजिए.' कहते हुए उनकी शरण में गए. वराह स्वामी उन्हें शरण देकर उन तापसियों का आदर करके 'हे आर्य! आप निर्भय रहिए. उस राक्षस को पकड़कर मैं उसका संहार करूँगा.' ऐसा कहते श्वेत वराह स्वामी ने उनको विदा किया. तब सारे मुनिगण भय को छोड़कर उस पहाड़ पर तप करने लगे थे.

वृषभासुर ने उस पहाड़ पर स्थित तुंबुर तीर्थ में तीनों कालों में स्नान करके एकाग्र चित्त से कराल नृसिंह मंत्र का जप करते हुए नृहरि की पूजा की.तदुपरांत अपने सिर को खड्ग से काटकर हरि को समर्पित किया. स्वामी की करुणा से फिर खंडित सिर दानव के सिर पर चिपक गया. इस प्रकार उसने उसे पंच सहस्त्र बार किये. सिर बार-बार चिपकता गया. ऐसी पूजा से प्रसन्न होकर वराह स्वामी कराल नृसिंह के रूप में उसे प्रत्यक्ष हुए. उस स्वामी को देखकर वृषभासुर ने उन्हें नमस्कार किया. केशव, अनंत, गोविंद, श्रीनिवास आदि नामों से उनका जप किया. अनेक प्रकार की विनतियाँ भी की. तब उसे देखकर नृसिंह ने इस रूप में कहा. सुनो दानव! तुम्हारे तप से मैं प्रसन्न हुआ. क्या वरदान चाहिए में मांग लो? कहने से उस मानव-मृगेश्वर को देखकर वृषभासुर ने मोद से कहा.'हे परमात्मा ! मुझे ब्रह्मलोक, मोक्षादि नहीं चाहिए. तिरूपति बालाजी का तीर्थक्षेत्र न केवल जागृत है बल्कि सच्चे भाव से आप अगर यहां आते हैं और दर्शन का लाभ लेते हैं तो निश्चित तौर पर इसका चमत्कार तुम्हारे जीवन में हर पल आएगा.प्रभु सभी पर कृपा करें. सभी का जीवन मंगलमय करें प्रभु. आपके चरणों में यही कामना. **ज़य गोविंदा**

शेष अगले अंक में

संघर्ष से जुझारू,प्रेरणादायी,दिल के साफ व्यक्तित्व हैं पुरूषोत्तम हरवानी

विदर्भ स्वाभिमान, 17 दिसंबर

अमरावती- शहर के सुख्यात व्यवसायी पुरूषोत्तम हरवानी हरदिल व्यक्तित्व के साथ ही यारों के दिलदार यार हैं.ज़ीवन में धनदौलत आती जाती है लेकिन कुछ ही लोग ऐसे होते हैं, जिनका स्वभाव लाखों मित्रों को प्रेरणा देती है, ऐसे ही लोगों में हैं सुख्यात उद्यमी पुरूषोत्तम हरवानी.जीवनभर कभी किसी को तकलीफ देने की मानसिकता नहीं रखने वाले और हर स्थिति में सुख मानने वाले व्यक्ति हैं. लेकिन कई बार कुछ अनुभव विश्वास पर से भी विश्वास उठा देते हैं. उनके मुताबिक अच्छी सोच में जीवन को बदलने की ताकत होती है. उनकी अपार लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि लाखों मित्र परिवार उन्होंने तैयार किए हैं.उनका मानना है कि दिल से की गई सेवा कभी बेकार नहीं जाती है. इसलिए जितना संभव हो सके, सेवा का काम अपने स्तर पर करना चाहिए. मानव सामाजिक प्राणि रहने के कारण इन्सान को इन्सान के काम आने का सदैव प्रयास करना चाहिए. तभी मानवता की मजबूत होती है. लेकिन दुर्भाग्य की आज स्वार्थ इन्सान पर हावी होता जा रहा है. स्वार्थ ने सगे नाते-रिश्तों के मायने बदल दिए हैं. व्यक्ति के चेहरे से उसकी सोच का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है.लेकिन आज भी सभी को साथ लेकर चलने वालों की संख्या कम नहीं है.उनके

विदर्भ स्वाभिमान

कारण ही आज दुनिया चल रही है.यही कारण है कि अच्छे काम पर खर्च के लिए लोगों को विचार करना पड़ता है. सभी के प्रयास से ही किसी भी समस्या का हल निकलता है.सभी को इंसान के रूप में सामाजिक दायित्व की भावना से काम करना चाहिए. उनके मुताबिक मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है.बिना स्वार्थ के किया गया कोई भी काम बेकार नहीं जाता है.उनकी सोच जहां सकारात्मक है, वहीं दूसरी ओर स्वभाव के इतने सज्जन हैं, जीवन में सदैव अच्छी सोच के साथ ही मदद की भावना रखते हैं.बीच में कुछ समय काफी तकलीफों के रहे, लेकिन इसे भी वे प्रभु की इच्छा मानते हुए आज भी नए जोश के साथ काम करते हैं और हर स्थिति में सुखी रहने का संदेश देते हैं.

विदर्भ स्वाभिमान डेस्क

28 से श्रीमद् भागवत कथा,कलश यात्रा निकलेगी

मांगीलाल प्लॉट में आयोजन,3 जनवरी तक चलेगी कथा, श्यामजी महाराज सुनाएंगे कथा

विदर्भ स्वाभिमान,17 दिसंबर अमरावती- शहर में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला चल रहा है. इस कड़ी में मांगीलाल प्लॉट क्षेत्र में मिश्रा परिवार, श्री सरयूपारिण ब्राह्मण सभा, शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के साथ ही सभी के सहयोग से 28 दिसंबर से श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है. पहले दिन यहां पर महिलाओं की भव्य कलशयात्रा निकलेगी. भक्तों से इसमें सहभागी होने का पुण्यलाभ प्राप्त करने का आग्रह त्रियुगीनारायण मिश्रा के साथ ही आयोजकों ने किया है. कथा को अभूतपूर्व बनाने के लिए सभी प्रयासरत हैं.

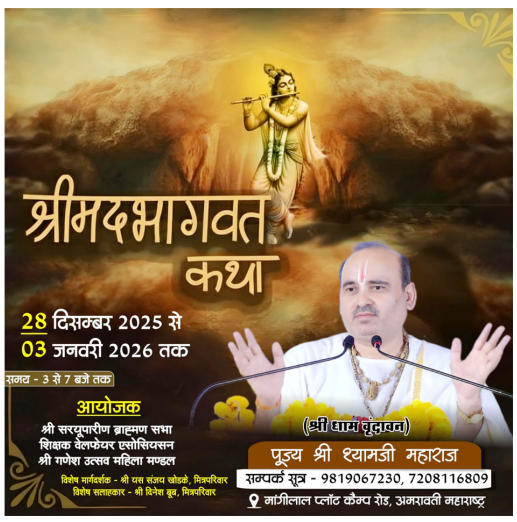

मांगीलाल प्लॉट क्षेत्र में 28 दिसंबर से श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया गया है. 28 से शुरू और 3 जनवरी तक चलने वाली इस कथा में श्रीधाम वृंदावन के श्यामजी महाराज भक्तों को श्रीमद् भागवत कथा का रसपान कराएंगे. कथा का आयोजन श्री सरयूपारिण ब्रह्मण सभा, शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के अलावा श्री गणेश उत्सव महिला मंडल द्वारा अन्यों के सहयोग से किया गया है. कथा का समय रोज दोपहर 3 से 6 बजे तक रखा गया है.

कथा के मुख्य यजमान त्रियुगीनारायण मिश्रा, जगदंबाप्रसाद, माताफेर, रामकैलाश, हरिहरनाथ, शारदा प्रसाद, द्वारिकाप्रसाद, सुभाष मिश्रा के साथ ही परिवार है. इस कथा के दैनिक व उत्सव यजमान में शहर के विभिन्न क्षेत्रों के मान्यवरों का समावेश है. कथा की तैयारियां की जा रही हैं. कथा का सभी भक्तों से लाभ लेने तथा सफलतार्थ प्रयास करने का आग्रह यश खोड़के मित्र परिवार तथा दिनेश बुब मित्र परिवार के साथ ही आयोजकों द्वारा किया गया है. उल्लेखनीय है कि शहर में होने वाली इस श्रीमद् भागवत कथा की सफलतार्थ सभी प्रयासरत हैं.शहर में मिश्रा परिवार आदर्श समाजसेवी परिवार के रूप में पहचाना जाता है.

कथा की शुरुवात 28 दिसंबर से हो रही है.इसके तहत पहले दिन दोपहर 1 बजे कलश यात्रा का आयोजन किया गया है. इसमें अधिकाधिक संख्या में महिलाओं से शामिल होने का आग्रह किया गया है.

अंबादेवी में सुश्राव्य कीर्तन प्रवचन माला सुनने उमड़ी है भीड़

आज स्वातंर्त्यवीर सावरकर पर प्रवचन माला

विदर्भ स्वाभिमान, 17 दिसंबर अमरावती-स्थानीय श्री अंबादेवी संस्थान ग्रंथालय व ज्येष्ठ नागरिक सन्मित्र मंडल के संयुक्त तत्वा?वधान में श्री अंबादेवी कीर्तन हॉल में शाम 6.30 बजे से 8.30 बजे तक 17 दिसंबरह को यत्र योगेश्वर कृष्ण विषय पर विवेक घलसासी नागपुर की प्रवचन माला हुई, इसका बड़ी संख्या में नागरिकों ने लाभ लिया. इसी कड़ी में 18 दिसंबर को स्वतंर्त्यवीर सावरकर के विषय पर विवेक घलसासी द्वारा विचार व्यक्त किया जाएगा. कीर्तन तथा व्याख्यान सुनने के लिए बड़ी संख्या में भक्त उमड़ रहे हैं. विभिन्न विषयों पर एक से बढ़कर एक वक्ता यहां पर मार्गदर्शन कर रहे हैं. पिछले 15 दिसंबर से चार दिवसीय यह कार्यक्रम चार दिनों तक चलने वाला है. यह कार्यक्रम अपार सफलता के साथ हो रहा है. इसका सभी भक्तों तथा नागरिकों से लाभ लेने का आग्रह आयोजकों द्वारा किया गया है.

15 दिसंबर से शुरू इस कार्यक्रम में चंद्रशेखर अभ्यंकर मुंबई द्वारा वंदे मातरम तथा 16 दिसंबर को संविधान विषय पर मार्गदर्शन किया गया. कार्यक्रम की कड़ी में 19 दिसंबर को पारिवारिक जीवन विषय पर विवेक घलसासी मार्गदर्शन करेंगे. नागरिकों से इसका लाभ लेने का आग्रह किया गया है.

सेवाभाव में अग्रणी हैं अविनाश मार्डीकर

विकास कामों का रखते हैं विजन, जनसेवा में समर्पित युवा नेता हैं

ख़ोड़के दम्पति को मानते हैं मार्गदर्शक

जनता के प्रेम को मानते हैं सबसे बड़ी ताकत

प्रतिनिधि, 20 दिसंबर अमरावती - शहर के विकास के साथ ही ज़नता की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव प्रयासरत रहने वाले राकांपा नेता के रूप में अविनाश मार्डीकर को शहरवासी जानते हैं. उनके मुताबिक जनता ने उन्हें सदैव अपार प्रेम दिया है. इसलिए जनता की सेवा के लिए जितना संभव हो सकता है, करने का प्रयास करते हैं. राकांपा नेता संजय खोड़के तथा विधायक सौ. सुलभाताई खोड़के के मार्गदर्शन में जनहित के कामों के साथ ही विकास कामों में भी स्वयं को झोंकते हैं. गरीबों, दीन-दलितों पीडीतों की मदद के लिए जहां वे सदैव तत्पर रहते हैं, वहीं धार्मिक आयोजनों में भी उनका सदैव बढ़-चढ़कर योगदान रहता है. मिलनसार स्वभाव के धनी अविनाश मार्डीकर दिल के साफ व्यक्ति हैं. स्पष्टता के साथ अपनी बात रखते हैं. प्रभाग के विकासार्थ राकांपा नेता तथा सुख्यात समाजसेवी अविनाश मार्डीकर सदैव प्रयासरत हैं. विधायक सौ. सुलभाताई खोड़के, राकांपा प्रदेश नेता संजय खोड़के के मार्गदर्शन में जहां करोड़ों रूपए के विकास काम प्रभाग में करवाया है, वहीं आज भी शहर की विभिन्न समस्याओं के निराकरण के लिए प्रयासरत रहते हैं.

मिलनसार स्वभाव के नेता के साथ ह अविनाश मार्डीकर सुख्यात व्यवसायी हैं. मानव सेवा को समर्पित रहने के साथ ही वे सदैव नेक कामों में भी आगे रहते हैं. यही कारण हैं कि उनके जन्मदिन पर हजारों नागिरकों नउन्हें शुभकामनाएं देते हुए राजनीतिक क्षेत्र में शानदार कामयाबी की कामना की.शहर विकास के साथ ही विभिन्न सामाजिक उपक्रमों के माध्यम से क्षेत्र के विकास के लिए समर्पित युवा नेता के रूप में प्रयासरत हैं. पिछले कई वर्षों से व्यापक संपर्क के साथ जिस तरह से खोड़के दम्पति के कुशल मार्गदर्शन में विकास कामों के लिए प्रयासरत रहते हैं, वहीं अभी तक करोड़ों रूपए के विकास कामों को अंजाम दिया.माता-पिता के भक्त के रूप में अविनाश मार्डीकर ने अपना नाम चमकाया है, वहीं दूसरी ओर गरीबों, जरूरतमंदों की मदद के लिए सदैव तत्पर रहते हैं.लोगों के आशिर्वाद के कारण ही लोगों का प्यार मिलने तथा विकाम कामों को अंजाम देने के साथ ही सामाजिक कार्य करने में सफल होने की जानकारी दी.उन्होंने कहा कि प्रभाग का सर्वांगीण विकास ही उनका उद्देश्य है. युवाओं को व्यसन से दूर रहने की सलाह देते हुए अविनाश मार्डीकर ने कहा कि माता-पिता के आदर्श संस्कार,पार्टी के वरिष्ठ नेता संजय खोड़के,विधायक सौ. सुलभाताई खोड़के के नेतृत्व में सदैव काम करते हैं.स्थायी सभापति रहते समय शहर में विकास के करोड़ों रूपए के कामों को मंजूरी दिलाने के अलावा प्रभाग में भी करोड़ों रूपए का विकास काम किया था. उनके मुताबिक लोगों का प्यार उनके लिए सबसे बड़ी दौलत है. इस दिशा में प्रयासरत हैं.

विदर्भ स्वाभिमान
साक्षात्कार

मंगलमय शुभकामनाएं

राकांपा के समर्पित नेता, मनपा स्थायी समिति के पूर्व सभापति और जनसेवा में अग्रणी युवा नेता, हमारे मित्र

अविनाशभाऊ मार्डीकर

को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक

शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक- अविनाश मार्डीकर मित्र परिवार, विदर्भ स्वाभिमान

दिल का राजा,समझदार यार मनीष दारा

मनीष दारा ज़न्मदिन 18 दिसंबर पर विशेष

ज़ीवन में आजकल हर व्यक्ति में स्वार्थ होता है और जरूरी भी है लेकिन स्वार्थ मानवता की सेवा से यह सोचकर ऊपर नहीं जाना चाहिए कि मुसीबत में किसी की मदद करने से मिलने वाली दुवाएं लाखों-करोड़ों रूपए की कमाई के बराबर होती हैं. शहर ही नहीं तो विदर्भ की पहली बालाजी ब्लड बैंक और कंपोनेंट के संचालक डॉ.चंद्रभान दारा के आदर्श बेटे मनीष दारा ने अपने कार्यों से इसे साबित किया है. बालाजी ब्लड बैंक के माध्यम से यथासंभव नेक काम करने का जहां प्रयास रहता है, वहीं यह आजीविका रहने के कारण जितना कम से कम में जरूरतमंदों की मदद हो सके, उतना करने का भाव रहता है. दिलदार यार के रूप में माता-पिता के भक्त मनीष दारा को समझने का मौका विगत बीस वर्षों

से मिला है. इस दौरान उनकी समझदारी, गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति दिल में प्रेम देखने का मौका मिला. माता-पिता के आदर्श बेटे के साथ ही आदर्श पति,पुत्र,पिता,भाई की सभी भूमिकाओं में उन्हें शतप्रतिशत अंक देना चाहिए. यारों के दिलदार यार तथा श्री बालाजी ब्लड बैंड और कम्पोनेंट लैब के मनीष दारा ऐसे ही व्यक्ति हैं. जिसे चाहते हैं दिल से चाहते हैं. उनके इसी स्वभाव के कारण हजारों का मित्र परिवार उन्हों ने तैयार किया है. उनकी तमाम व्यस्तता के बाद भी समाजसेवी लायन्स क्लब के साथ ही अनगिनत संगठनों से जुड़े हुए हैं.

समाज में कुछ ऐसे युवा होते हैं, जो अपने कार्यों से मानवता को नई दिशा देते हैं- रक्तदान सेवी युवक उन्हीं में से एक है, जो बिना किसी स्वार्थ के, केवल दूसरों की जान बचाने के उद्देश्य से रक्तदान करता है. जब कोई व्यक्ति दुर्घटना, बीमारी या आपातकाल में रक्त की कमी से जूझ रहा होता है, तब ऐसे युवक देवदूत बनकर सामने आते हैं.मनीष दारा कई बार स्वयं भी रक्तदान कर पीड़ित की मदद करते हैं.उनका सबसे बड़ा गुण उसका संवेदनशील ह्रदय है. वह यह समझता है कि उसका दिया हुआ एक यूनिट रक्त किसी के जीवन की धड़कन बन सकता है. न जाति देखता है, न धर्म, न पहचान उसके लिए हर जरूरतमंद सिर्फ एक इंसान होता है.आज के व्यस्त और स्वार्थी होते समाज में, रक्तदान जैसे निस्वार्थ कार्य के लिए आगे आना साहस और सेवा-भाव का परिचायक है. वह स्वयं के साथ जीवनसंगिनी को भी प्रेरित करते हैं. कई बार मुसीबत में फंसे व्यक्ति के लिए उन्हों ने भी रक्तदान किया है.न केवल स्वयं नियमित रक्तदान करते हैं, बल्कि दूसरों को भी जागरूक करते हैं. वे युवाओं को बताते हैं कि रक्तदान से शरीर को कोई हानि नहीं होती, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी भी है.उनका कहना है कि जब हम अच्छा करते हैं तो हमारे साथ ऊपरवाला कभी बुरा नहीं होने देता है. इसलिए अपनी ओर से जितना संभव हो, अच्छा करने का प्रयास करना चाहिए.पिता डॉ.चंद्रभान तथा मां को जहां वे अपना प्रेरणा स्थान मानते हैं, वहीं मानव सेवा को प्रभु सेवा मानते हैं. गत दिनों मां-बेटे के किडनी ट्रांसप्लांट के दौरान उनकी दिलदारी का जहां अनुभव किया, वहीं गरीब युवक की जीवन की रक्षा के लिए अपनी पत्नी के रक्तदान की बात कहना और करना निश्चित ही आदर्श उदाहरण कहा जा सकता है. अपनी बात पर जहां अमल करते हैं, वहीं व्यवसाय को भी सामाजिक रूप देने का जहां भी मौका मिलता है, करते हैं. स्पष्ट वक्ता के साथ ही सम्पन्नता में भी उनकी सादगी, आत्मीयता वाला स्वभाव उनके करीबियों को प्रेरित करता है. रक्तदान के क्षेत्र में आज न केवल अमरावती बल्की समूचे विदर्भ में अपार सम्मानजनक स्थान रखने वाली श्री बालाजी ब्लड बैंक को समय के साथ जहां अपडेट करने का प्रयास किया, वहीं पिता के आदर्श विचारों पर अमल करते हुए समाज सेवा का कार्य भी निरंतर जारी रखा है. कोरोना महामारी के दौरान उनके कामों की सराहना सभी ने की.मनीषभाई के चेहरे पर सदैव मुस्कराहट, लोगों के प्रति अपार प्यार जैसी खूबियों के कारण हजारों मित्र परिवार बनाए हैं.यारों के दिलदार यार मनीष दारा का 18 दिसंबर को जन्मदिन है, विदर्भ स्वाभिमान परिवार की करोड़ों अग्रीम शुभकामनाएं.

विदर्भ स्वाभिमान परिवार.

गुरूवार 18 दिसंबर से 24 दिसंबर 2025 तक का भविष्य

मेष-कैरियर / आर्थिक स्थिति: इस सप्ताह मेहनत रंग लाएगी. कामकाज में नए प्रोजेक्ट या प्रमोशन के अवसर मिल सकते हैं. लेकिन खर्चों पर काबू रखना ज़रूरी है. स्वास्थ्य: शुरुआत में थकावट महसूस हो सकती है, थोड़ी सी नींद पूरी करें. रिश्ते / परिवार: रिश्तों में मधरता बनी रहेगी; पारिवारिक सहयोग मिलेगा. लेकिन समय पर संवाद करना ज़रूरी है. सलाह: बड़े फैसले लेने से पहले सब पक्षों पर विचार करें. जल्दबाज़ी न करें.

वृषभ-कैरियर / आर्थिक स्थिति: यह सप्ताह स्थिरता वाला रहेगा. वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा. आर्थिक मामूले ठीक रहेंगे, पर निवेश या बड़े खर्च करने से बचना श्रेयस्कर है. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा, लेकिन तनाव या भूख-पीक की अनियमितता से बचें. रिश्ते / प्यार: घर और परिवार में शांति बनी रहेगी, पर शब्दों का चयन सोच-समझ कर करें. सलाह: खर्चों का हिसाब रखें; जितना हो सके बचत की कोशिश करें.

मिथुन-कैरियर / आर्थिक स्थिति: धन आगमन के योग हैं. कछ सौदे वप्रस्ताव मिलेंगे, परन्त जोखिम भरे प्रस्तावों से सावधानी बरतें. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा. बीच-बीच में एक्टिव रहें.रिश्ते / प्यार: पार्टनर के साथ कुछ मतभेद हो सकते हैं; संवाद से स्थिति ठीक होगी. सलाह: किसी नए अवसर की घोषणा लेने से पहले पूरी जानकारी जुटाएँ; निवेश करें तो भरोसेमंद सलाह साथ लें.

कर्क-कैरियर / आर्थिक स्थिति: पराने अधूरे काम पूरे होने की संभावना; आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे सुधरेगी. लेकिन अचानक खर्च हो सकते हैं. स्वास्थ्य: मौसम और खान-पान का ध्यान रखें; पाचन संबंधी समस्याएँ हो सकती हैं. रिश्ते / प्यार: पारिवारिक भूमिका बढ़ेगी; दोस्तों-परिवार से समय बिताना अच्छा रहेगा. सलाह: प्रदत्त जिम्मेदारियों को प्राथमिकता दें; व्यर्थ विवादों से बचें.

सिंह-कैरियर / आर्थिक स्थिति: आत्मविश्वास बढ़ेगा; नए प्रोजेक्ट्स या विस्तार के अवसर मिल सकते हैं. अधिकारी आपकी क्षमताओं को देखेंगे. स्वास्थ्य: काम-थकावट हो सकती है; पर्याप्त आराम और नींद आवश्यक. रिश्ते / प्यार: घर में सम्मान और सहयोग मिलेगा. साथी से अच्छे संवाद होंगे. सलाह: अपनी ऊर्जा को संतुलित करें; काम और निजी जीवन में संतुलन स्थापित करना ज़रूरी होगा.

कन्या-कैरियर / आर्थिक स्थिति: भाग्योदय की संभावना है. मेहनत का फल मिलेगा, महत्वपूर्ण काम पूरे होंगे. आर्थिक स्थिति सुधर सकती है. स्वास्थ्य: स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. लेकिन नियमित व्यायाम और संतुलित आहार जरूरी है. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में मधरता रहेगी; पारिवारिक आनंद प्राप्त होगा. मित्रों या बुजुर्गों से सहायता मिल सकती है. सलाह: सकारात्मक सोच रखें; किसी नई शुरुआत के लिए यह समय उपयक्त है.

तुला-कैरियर / आर्थिक स्थिति: ऊर्जा व संकल्पशक्ति बढ़ेगी; नए अवसरों की ओर कदम हो सकते हैं. परंत जल्दबाजी वाले फैसले टालें. स्वास्थ्य: बीच-बीच में थकान या असमंजस हो सकता है. विश्राम करें और ध्यान रखें. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में भरोसा बढ़ेगा; पराने झगड़े सुलझ सकते हैं. साथी का सहयोग मिलेगा. सलाह: वाणी में सौम्यता रखें, दूसरों की बातों को ध्यान से सनें; भावनात्मक संतुलन महत्वपूर्ण होंगा.

वृश्चिक-कैरियर / आर्थिक स्थिति: मेहनत का परिणाम मिलेगा. घरेलू जीवन और करियर के बीच संतुलन बनाए रखना होगा.स्वास्थ्य: मानसिक शांति की ज़रूरत है; ध्यान-मेडिटेशन लाभ दे सकता है. रिश्ते / प्यार: रिश्तों में भावनाएँ गहरी होंगी. परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है. सलाह: विश्लेषण करने से बचें, अहंकार या झूठे स्ख से दूरी बनाएं.

धनु-कैरियर / आर्थिक स्थिति: स्के हए काम आगे बढ़ेंगे; यात्रा या नए कौशल सीखने के मौके मिलेंगे. स्वास्थ्य: हल्की-फुल्की परेशानी हो सकती है; आराम पर ध्यान दें. रिश्ते/ प्यार: साथी के साथ कुछ तनाव हो सकता है; समझदारी से बातचीत लाभदायक होगी. सलाह: अपनी योजनाओं और प्राथमिकताओं को साफ़ रखें; जल्दबाज़ी में फैसले न करें.

मकर-कैरियर / आर्थिक स्थिति: करियर में उन्नति के अवसर, नए ऑफर या जिम्मेदारियाँ मिल सकती हैं. पर खर्चों पर नियंत्रण रखें.स्वास्थ्य: नींद और आराम पर विशेष ध्यान दें. काम के दबाव से दूरी बनाए रखें. रिश्ते / प्यार: पराने मित्र या रिश्तेदार से मिलना संभव है, इससे मन प्रसन्न होगा. घर-परिवार में सहयोग बढ़ेगा. सलाह: जोखिम लेने से पहले पूरी तैयारी करें; संतुलित दृष्टिकोण लाभदायी रहेगा.

कुंभ-कैरियर / आर्थिक स्थिति: पढ़ाई, इंटरव्यू, कोर्सेज़ आदि में सफलता की गुंजाइश है. बातचीत या प्रस्ताव लाभदायक हो सकते हैं. स्वास्थ्य: सामान्य रहेगा; पर मनोवैज्ञानिक तनाव से बचने के लिए ध्यानम-योग कर सकते हैं. रिश्ते / प्यार: पारिवारिक माहौल शांत रहेगा. साथी या मित्रों से अच्छे समय बीतेगा. सलाह: कागजी कामों, अनुबंधों आदि का दस्तावेज़ अच्छी तरह देखें; भरोसा योग्य लोगों से सलाह लें.

मीन-कैरियर / आर्थिक स्थिति: नए स्रोत से आय हो सकती है, या किसी मदद से लाभ मिलेगा. लेकिन अनियोजित खर्च होंगे, बैलेंस आवश्यक है. स्वास्थ्य: स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, पर जितना संभव हो तनाव को नियंत्रित करें. रिश्ते / प्यार: परिवार और दोस्त-रिश्तों में सकून रहेगा; सामाजिक गतिविधियों में आनंद मिलेगा. सलाह: दिल की सनें लेकिन पैरों को जमीन पर रखें; योजनाओं को ठोस बनाएं.मेहनत से सफलता निश्चित मिलेगी.

ज़य गोविंदा,जय गोविंदा,जय गोविदा

बहिरम यात्रा क़ो लेकर समीक्षा बैठक में की गई मंत्रणा

विदर्भ की सबसे बड़ी यात्रा, लाखों का राजस्व मिलता है जिप को,कई राज्यों से आते हैं भाविक

विदर्भ स्वाभिमान,17 दिसंबर

अमरावती- जिले ही नहीं तो आसपास के कई राज्यों के लाखों भक्त इसमें शामिल होते हैं. इसके आयोजन और नियोजन को लेकर जिला परिषद सीईओ संजीता मोहापात्र की अध्यक्षता में गत दिनों बैठक होकर इसमें बिजली आपूर्ति, सुरक्षा उपाय, जलापूर्ति सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई. इस दौरान कई महत्वपूर्ण फैसले भी लिए गए. संजीता मोहापात्र ने सभी अधीनस्थों को इस यात्रा की सफलता का जहां निर्देश दिया, वहीं दूसरी ओर इसे सफल बनाने के लिए सभी से सही तरीके से जिम्मेदारी निभाने का आग्रह किया. सबसे अधिक समय तक चलने वाली यात्रा के रूप में सुख्यात बहिरम यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं. विदर्भ में प्रसिद्ध ऋणमोचन और बहिरम की यात्राएँ इस वर्ष भी 21 दिसंबर से शुरू होने जा रही हैं. विशेष बात यह है कि बहिरम की यात्रा को लोकसंस्कृति में एक अलग ही महत्व प्राप्त है. यह यात्रा डेढ़ महीने तक चलती है और यह परंपरा कई शताब्दियों से लगातार जारी है. कुछ मान्यताओं के अनुसार यह यात्रा हजारों वर्षों से आयोजित हो रही है.

यात्राएँ प्रत्येक क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा होती हैं. हर क्षेत्र की यात्रा का स्वरूप, महत्व और परंपरा अलग होती है, लेकिन भक्तिभाव हर जगह समान रहता है. हर यात्रा में मनोरंजन, मिठाई, खिलौनों की दुकानें, झूले, पालने आदि आकर्षण का केंद्र होते हैं; फिर भी प्रत्येक यात्रा का अपना विशेष महत्व होता है. जिस प्रकार पश्चिम महाराष्ट्र में खंडोबा के उत्सव में भंडारे की व्यवस्था है,मांढरदेव की कालूबाई यात्रा का अलग स्थान है, उसी प्रकार विदर्भ में ऋणमोचन और बहिरम की यात्राएँ विशेष प्रसिद्ध हैं.बहिरम की यात्रा लगभग 350 वर्षों से अधिक समय से लग रही है. कुछ मानते हैं कि यह हजारों वर्षों से चल रही है. सातपुड़ा की गोद में स्थित बहिरम बुवा एक लोकदैवत माने जाते हैं-एक पौराणिक कथा के अनुसार शंकर और पार्वती भ्रमण करते हुए एक बार इस स्थान पर रुके थे. पार्वती को यह स्थान अत्यंत प्रिय लगा और उन्होंने हर वर्ष यहां आने का आग्रह किया. तब शंकर ने अपना एक अंश यहीं स्थापित करने का आश्वासन दिया. इसी कारण यह स्थान भैरवाचे ठिकाण कहलाया

जो आगे चलकर बहिरम नाम से प्रसिद्ध हुआ. कहा जाता है कि शिव पार्वती ने यहां तीन दिनों का प्रवास किया था. उनके स्नान हेतु काशी का पवित्र जल यहां प्रकट हुआ, जिसे आज काशीतलाव कहा जाता है.यहां का बर्तन तालाब भी प्रसिद्ध रहा है, जहां से पहले भांडी कुंडी (बर्तन) निकलते थे, जिन्हें वापस करना अनिवार्य था.बहिरम बुवा का मंदिर लगभग 125 फ़ीट ऊँचाई पर स्थित है. पास में 8 10 फ़ीट ऊँची सुंदर गणेश की प्रतिमा है, मंदिर के बाहर पत्थर का नंदी है. संपूर्ण मंदिर परिसर 2 2.5 एकड़ क्षेत्र में फैला है, जबकि यात्रा का मैदान लगभग 100 एकड़ में लगता है.बहिरम की मूर्ति आज भव्य रूप में दिखाई देती है, परंतु मूल रूप सुपारी जितनी छोटी थी जिस पर शेंदूर, लोणी, दूध, तूप अर्पित किए जाते थे. यही सब मिलकर समय के साथ बड़ी मूर्ति का आकार बना ऐसी मान्यता है.

यात्रा की परंपरा और स्वरूप-पूर्व में नागदिवाली से यात्रा शुरू होती थी, पर अब सरकारी आदेशानुसार 20 दिसंबर से 31 जनवरी तक आयोजित की जाती है.श्रावण सोमवार को बड़ी संख्या में महिलाएं विशेष पूजा के लिए आती हैं.गुड़, फुटाणे, रेवडियाँ,यहाँ के प्रमुख प्रसाद हैं.मनौती पूर्ण करने हजारों भक्त दूर-दूर से आते हैं.कभी यहां सरदार अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते थे. घोड़े, सैनिक, बड़ी राहुट्याएँ और भव्य भोजन-व्यवस्था होती थी. मिट्टी के बर्तनों में बना मांसाहारी भोजन मुख्य आकर्षण होता था. अनेक जगहों से व्यापारी भी अपनी वस्तुएँ बेचने आते थे,बैलगाड़ियाँ, दमणी, औज़ार, माटी के बर्तन आदि.समय के साथ तमाशे बंद हुए और अब यहां लोककला, किसान जागरूकता और कृषि विषयक कार्यक्रम आयोजित होते हैं. अमरावती जिला परिषद की ओर से कृषि प्रदर्शनी भी लगाई जाती है.यात्रा के दौरान किसी भी रविवार को लाखों तक भक्तों की भीड़ होना सामान्य बात है. शहरी क्षेत्र के लोग भी परिवार सहित तंबुओं में ठहरकर ग्रामीण संस्कृति का आनंद लेते हैं, स्थानीय भोजन का स्वाद लेते हैं और बच्चों को परंपरा का अनुभव करवाते हैं.बहिरम यात्रा न केवल महाराष्ट्र बल्कि पड़ोसी राज्यों के भक्तों के लिए भी बेहतरीन रहती है. इसे सफल बनाने के लिए बैठक में गहन चर्चा की गई. इसकी सफलतार्थ सभी प्रयासरत हैं.

आचार, विचार, संस्कारों के साथ ही संयुक्त परिवार, मानवता और भारतीयता को समर्पित सर्वाधिक लोकप्रिय हिंदी समाचार पत्र के ग्राहक बनकर अच्छाई को बढ़ावा देने में अपना हाथ बंटाए, आज ही सदस्यता फार्म भरें

विदर्भ स्वाभिमान

संपर्क
9423426199/8855019189

भक्त के वश में रहते हैं भगवान-डॉ.माधवप्रपन्नाचार्य स्वामी

माहेश्वरी भवन में श्रीमद् भागवत कथा में डॉ.माधवप्रपन्नाचार्यजी की कथा सुनने उमड़े हैं भक्त

विदर्भ स्वाभिमान,17 दिसंबर

अमरावती- भगवान केवल भक्त के वश में रहते हैं. इसके लिए निर्मल मन की भक्ती जरूरी होती है. निर्मल मन वाले भक्त केवट, शबरी, द्रोपदी सहित हजारों हुए हैं. भक्ति की शक्ति अपार होती है. इसका अनुभव करने के लिए निर्मल भक्ति जरूरी है. भक्ति अगर निर्मल है और प्रभु को पूरी तरह से समर्पित है तो भक्त केआगे भगवान भी झुकते हैं, इंसान से दिखावा किया जा सकता है लेकिन भगवान के समक्ष दिखावा नहीं चलता है, भक्ति की शक्ति अपार होती है और स्वयं भगवान को भी झुकना पड़ता है,इस आशय का उपदेशपूर्ण प्रतिपादन उज्जैन के श्रीमद् भागवत कथा प्रवक्ता डॉ.माधवप्रपन्नाचार्यजी श्री युवराज स्वामी ने किया. वे माहेश्वरी भवन में श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन दोपहर 3 से 7 बजे की कथा के दौरान भक्तों को कथा का रसपान करा रहे थे.

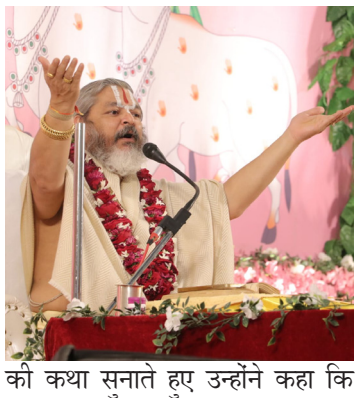

कल्पना सहायता फाउंडेशन, पुरूषोत्तम शर्मा, विजय उर्फी वक्की शर्मा तथा मित्र परिवार जवाहर गेट के संयुक्त तत्वावधान में 15 दिसंबर से आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में भक्त पहुंच रहे हैं. बुधवार को कथा के तहत श्री नृसिंह अवतार प्रल्हाद चरित्र वर्णन की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि बचपन से ही बालक प्रल्हाद नारायणजी का भक्त था, यह बात उसके पिता को अच्छी नहीं लगती थी. प्रभु के भक्त अपने ही बेटे प्रल्हाद को खत्म करने के लिए उसने कई प्रयास किये लेकिन कहते हैं कि जिसे भगवान बचाते हैं, उसे मारने की ताकत किसी में भी नहीं होती है. कथा सनने के लिए बड़ी संख्या में भाविक महिला और पुरूष उपस्थित हैं. माहेश्वरी भवन में जारी कथा सुनने के लिए क्षेत्र के अलावा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से भी भाविक पहुंच रहे हैं. कथा के दौरान विभिन्न प्रसंगों के माध्यम से कथा प्रवक्ता डॉ. माधवप्रपन्नाचार्य स्वामी सामाजिक संदेश देने का काम भी कर रहे हैं.कथा के तहत गुरुवार 18 दिसंबर को कथा प्रवक्ता डॉ. माधवप्रपन्नाचार्य श्री वामन अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव तथा श्रीराम जन्मोत्सव के प्रसंगों पर कथा का विवेचन किया.भक्तों से लाभ लेने का आग्रह विजय उर्फ विक्की शर्मा तथा सभी आयोजकों ने किया.बेहतरीन आयोजन और नियोजन की सराहना के साथ ही शर्मा परिवार का अभिनंदन भी किया जा रहा है.

जन्मदिन की
हार्दिक शुभकामनाएं

समाजसेवी,धार्मिक कार्यों में अग्रणी, राष्ट्रीय स्तर की लेखिका
डॉ.शोभाताई गायकवाड़
तथा केशरीनंदन संस्था के पदाधिकारी, यारों के दिलदार यार
तथा सेवाभावी काम में अग्रणी
नरेशभाऊ इसासरे
को जन्मदिन की मंगलमय हार्दिक शुभकामनाएं.

शुभेच्छुक
केशरीनंदन
बहुउद्देशीय संस्था,पार्वती नगर,अमरावती.विदर्भ स्वाभिमान परिवार,अमरावती, प्रयागराज,अकोला, यवतमाल, हिंगोली.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क—

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन् 1967 पासून
अमरावती शहरात
वाजवी दरात
सर्वात जास्त
प्लाटस्चे सौदे
करणारे एकमेव
इस्टेट एजंट
संजय
एजंसीज्
टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.फोन
2564125,2674048

मजबूत,टिकाऊ, उच्चगुणवत्तायुक्त नवीन मकान विकायचा आहे. गुढीपाडवा आणि चैत्र नवरात्रिच्या हार्दिक शुभेच्छा. 2 बीएचके किचन ट्राल्या, पीओपी कलरिंग सोबतच पंखे गिझर सर्व तयारी.इच्छुकांना स्वतः भेंट देऊन खात्री करावी.
शांतिनिकेतन स्कूल रोड,पुष्पक कॉलनी मेन रोड पूर्व मुख्य
1350 फुट बांधकाम
संपर्क मोबाइल नंबर 9881388450

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७
अर्जुन व्यास – मो. ९९७५२७७१९९